यूपी के 5.12 लाख उद्यमियों को मिला ₹22800 करोड़ का ऋण

सीएम की पहल लाई रंग, कोरोना काल में सरकार ने इन उद्यमियों को दी सबसे ज्यादा लोन गारंटी

देश में पहले पायदान पर पहुंचीं प्रदेश की सूक्ष्म व लघु इकाइयां, बढ़ाया उत्पादन, बाजार में मजबूत की पकड़

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना काल के दौरान उद्योगों का पहिया चलाने के लिए जो पहल की थी, उसके परिणाम अब दिखने लगे हैं। वैश्विक मंदी में भी देश में सबसे ज्यादा यूपी की पांच लाख 12 हजार सूक्ष्म और लघु उद्योग इकाइयों ने अपना कारोबार बढ़ाने के लिए 22,800 करोड़ रुपये का ऋण लिया है। इससे उन्होंने जहां कोरोना काल में उत्पादन बढ़ाया, वहीं बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है।

एमएसएमई सेक्टर ने भले ही कोरोना काल में काफी मुसीबतों का सामना किया हो, पर राज्य सरकार की नीति के कारण यूपी में सूक्ष्म व लघु इकाइयों को काफी राहत मिली है। सीएम ने खुद कई बार लोन मेले के माध्यम से एमएसएमई को लोन वितरित कराया। बैंकों को निर्देश जारी किए कि कारोबारियों को लोन देने में दिक्कत नहीं आनी चाहिए। परिणामस्वरूप सीजीटीएमएसई (सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट) के तहत सूक्ष्म और लघु इकाइयां ऋण लेने में देश में पहले पायदान पर पहुंच गई हैं।

सीजीटीएमएसई के सीईओ संदीप वर्मा ने बताया कि इस स्कीम के तहत छोटे उद्यमियों को लोन की गारंटी दी जाती है। ऐसे उद्यमी जिनके पास बैंक गारंटी देने के लिए नहीं है, वे इस स्कीम के तहत लोन लेकर अपने कारोबार को और बढ़ा सकते हैं। सीजीटीएमएसई के तहत लोन की गारंटी ली जाती है, इसलिए बैंकों को भी लोन देने में दिक्कत नहीं होती। इसमें नए और पुराने दोनों इकाइयां होती हैं। ब्यूरो